भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय प्रधान मंत्री द्वारा सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली, 18 दिसंबर, 2023: माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज श्री भूपेन्द्रभाई पटेल, माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात, श्रीमती दर्शना जरदोश, केंद्रीय कपड़ा और रेलवे राज्य मंत्री और श्री सीआर पाटिल, सांसद, नवसारी की गरिमामयी उपस्थिति में सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। नया टर्मिनल भारत के सबसे गतिशील शहरों में से एक के लिए निर्बाध अवसंरचना को गति प्रदान करेगा जो अपने तेजी से बढ़ते कपड़ा उद्योग के लिए जाना जाता है। सूरत हीरे की कटाई और पॉलिशिंग के लिए भी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है।

सूरत हवाई अड्डे का विस्तार 353 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया। 25,520 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली नई एकीकृत टर्मिनल बिल्डिंग (एनआईटीबी) व्यस्ततम समय के दौरान 1200 अंतर्देशीय यात्रियों तथा 600 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और प्रतिवर्ष 35 लाख यात्रियों को सेवा देने के लिए सुसज्जित है। सूरत के एनआईटीबी में यात्री सुविधा के लिए 20 चेक-इन-काउंटर, पांच कन्वेयर बेल्ट और 500 कार पार्किंग स्लॉट जैसी यात्री सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

टर्मिनल भवन में व्यस्ततम समय के दौरान यात्रियों की सेवा क्षमता को 3000 तक बढ़ाने का प्रावधान है, जबकि वार्षिक सेवा क्षमता 55 लाख यात्रियों तक बढ़ जाएगी।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए, माननीय प्रधान मंत्री ने कहा, "सूरत में नया एकीकृत टर्मिनल भवन शहर की अवसंरचना के विकास में एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतीक है। "इस अत्याधुनिक सुविधा से न केवल यात्रा अनुभव में वृद्धि होगी बल्कि आर्थिक विकास, पर्यटन और संपर्कता को भी बढ़ावा मिलेगा"।

सूरत वर्तमान में दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, कोलकाता, हैदराबाद, गोवा, गोवा मोपा, पुणे, दीव, इंदौर, उदयपुर, बेलगाम, जयपुर और किशनगढ़ जैसे 14 से अधिक घरेलू शहरों से जुड़ा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह शारजाह जैसे गंतव्यों से जुड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 दिसंबर, 2023 को सूरत हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया है।

टर्मिनल भवन, जो सूरत शहर का प्रवेश द्वार है, को यहाँ की स्थानीय संस्कृति और विरासत के अनुसार अभिकल्पित किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि मर्म आंतरिक और बाहरी दोनों भागों में प्रतिबिंबित होना चाहिए, जिससे आगंतुकों के लिए स्थल अनूभूति उत्पन्न हो। उन्नत टर्मिनल भवन के अग्रभाग का उद्देश्य सूरत शहर के 'रांदेर' क्षेत्र के पुराने घरों की समृद्ध और पारंपरिक काष्ठ कला के साथ यात्रा अनुभव को समृद्ध करना है।

आर्थिक विकास की संभावनाओं को उजागर करने के लिए हवाई संपर्कता महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह व्यावसायिक निवेश और मानव संसाधन को आकर्षित करती है। सूरत में हवाई अड्डे की अवसंरचना और हवाई संपर्कता में वृद्धि से पर्यटन, व्यवसाय, शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार सृजित होगा जो क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी
विवरण के लिए कृपया संपर्क करें: महाप्रबंधक (सी.सी.) 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति सं. 29/ 2023-24

सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नया टर्मिनल भवन

श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, भाविप्रा हवाई अड्डे की योजना के बारे में माननीय प्रधानमंत्री को जानकारी देते हुए।

टर्मिनल के आंतरिक भाग स्थानीय कला और संस्कृति को दर्शाते हैं